

Inhalt

| | |
|---|----|
| VORWORT | 7 |
| SO EINFACH – IN DER THEORIE | 15 |
| Warum Gott ist | 15 |
| Sinn | 16 |
| Freiheit | 17 |
| Wie Gott ist. | 18 |
| Liebe. | 19 |
| Trinität | 21 |
| Gott als Schöpfer | 23 |
| Dämonisches Zwischenspiel | 24 |
| Gottes erste Offenbarung | 25 |
| Wunder | 28 |
| Menschen als Ebenbild | 32 |
| Eva und Maria | 35 |
| Geschichten und Geschichte | 39 |
| GAR NICHT EINFACH – IN DER PRAXIS | 45 |
| Begriffe | 45 |
| Religion. | 46 |
| Kirche | 47 |
| Konfession | 51 |
| Einrichtungen | 57 |
| Gemeinde | 58 |
| Gebäude. | 61 |
| Klöster | 66 |

Inhalt

| | |
|--|-----|
| Jahreskreis | 70 |
| Advent und Weihnachten | 76 |
| Osterkreis | 81 |
| Marienfeste | 85 |
| <i>Verkündigung</i> | 85 |
| <i>Heimsuchung</i> | 89 |
| <i>Himmelfahrt</i> | 91 |
| <i>Geburt</i> | 93 |
| Pfingsten. | 95 |
| Allerheiligen – Allerseelen | 96 |
| Heiligenfeste | 98 |
| Lebenszyklus | 101 |
| Taufe und Firmung | 101 |
| Hochzeit. | 103 |
| Leiden, Tod und Begräbnis | 107 |
| Caritas | 109 |
| fremd und anders | 112 |
| alt | 115 |
| Umgang mit einer Kirche | 117 |
| Warum katholisch? | 121 |
| | |
| AM ENDE IST ALLES WIEDER EINFACH | 127 |
| | |
| GLOSSAR | 131 |
| | |
| REGISTER | 167 |